nt>

Title: Need to release the share of water from Ravi and Beas rivers to the Rajasthan.

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर) : अध्यक्ष महोदय, देश के भौगोलिक क्षेत्र का 10 प्रतिशत भाग राजस्थान में है और भूतल पर उपलब्ध जल स्रोत का 1.6 भाग है। राजस्थान में जल स्रोत सीमित हैं। राजस्थान में पिछले 4-5 साल से लगातार अकाल और दुर्भिक्ष की स्थिति है। ऐसी स्थिति में रावी-ब्यास का पानी इन्दिरा गांधी नहर के माध्यम से राजस्थान में आता है। राजस्थान की एक करोड़ जनता रेगिस्तानी इलाके में रहती है जिनमें गंगानगर, हनुमानगढ़, चुरू, बीकानेर, जोधपुर, जैसलमेर और बाड़मेर जिले आते हैं। इन जिलों के आर्थिक विकास के लिये एकमात्र जीवन रेखा पानी है जो नहर के माध्यम से आता है। पीने के पानी और सिंचाई का एकमात्र साधन यही है। राजस्थान सरकार ने 2600 करोड़ रुपया इन्दिरा गांधी नहर पर खर्च किया लेकिन पंजाब से पानी नहीं मिल रहा है। इससे राजस्थान के रेगिस्तानी क्षेत्रों में कृाि उत्पादन पर दुप्रभाव पड़ने वाला है। इससे सारी फसलें सूख जायेंगी। किसान आन्दोलित हैं और उनकी महापंचायत हो रही है। वे धरने पर बैठे हुये हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार से प्रार्थना करना चाहूंगा कि रावी-ब्यास का पानी राजस्थान को अविलम्ब दिलाया जाये ताकि किसानों की फसलें बच सकें जो करोड़ों लोगों के जी वन का आधार है।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से एक और बात कहना चाहता हूं। जल राट्रीय सम्पदा है। मैं दो-तीन मिनट में अपनी बात कह दूंगा, इसलिये मैं आपका संरक्षण चाहूंगा।

अध्यक्ष महोदय : क्या आपको हमारा संरक्षण चाहिये?

प्रो. रासा सिंह रावत : अध्यक्ष महोदय यह मानवीय आवश्यकता है। जल राट्रीय सम्पदा है। बड़ी नदियों का पानी दूसरे राज्य ले सकते हैं लेकिन पंजाब सरकार ने ि वधान सभा में पंजाब टर्मिनेशन ऑफ एग्रीमेंट विधेयक, 2004 पास किया जिसके अंतर्गत राजस्थान के हिस्से का पानी निरस्त कर दिया गया है। राजस्थान को 8.6 MAF पानी तुरंत प्रभाव से मिलना चाहिये लेकिन वह पूरा नहीं मिल रहा है। आज राजस्थान को 8.6 MAF के स्थान पर केवल 8.00 MAF पानी मिल रहा है। मैं सरकार से आग्रह करना चाहता हूं कि रावी-ब्यास प्रबंधन द्वारा राजस्थान की हिस्सेदारी निर्धारित हो और उसे पूरा पानी मिलना चाहिये। जो समझौता 1964 और 1981 में हुआ, उसके मुताबिक राजस्थान को पूरा पानी मिलना चाहिये।

अध्यक्ष महोदय : बहुत जोरदार तरीके से आपने मामला उठाया है, ठीक होगा।